>

Title: Shortage of Godowns for storage of foodgrains in the country.

**श्री रेवती रमण सिंह (इलाहाबाद):** मान्यवर, पिछले कई सालों से हमारे देश में किसानों द्वारा जितना अनाज पैदा किया गया, वह एक रिकार्ड उत्पादन है। आपको याद होगा कि आज से तीस साल पहले हम पीएल-480 के द्वारा अमरीका से अनाज मंगवाते थे। जो अनाज वहां जानवर खाते थे, वह अनाज अमेरिका यहां के आदमियों के खाने के लिए भेजता था। वह लाल गेहूँ होता था। मान्यवर, बहुत विकट स्थिति थी। लेकिन हमारे किसानों ने मेहनत से किसानी कर अपने देश को आत्मनिर्भर बनाया और इतना ही नहीं, हम अनाज का निर्यात भी करने लगे। लेकिन हमारा दुर्भाग्य है कि इतना अनाज पैदा होने के बाद भी आज अनाज सड़ रहा है। यूपीए सरकार-1 और यूपीए सरकार-2, दोनों सरकारों में अनाज का जो भण्डारण होना चाहिए था वह भण्डारण आजतक यह सरकार नहीं करवा पाई है। इन्होनें कहा कि हम निजी क्षेत्र को दे रहे हैं। निजी क्षेत्र ने कहां बनाया? इसका भी ब्योरा नहीं है। मान्यवर, अनाज का सड़ना कब तक चलता रहेगा? अगर अनाज सड़ रहा है तो क्यों नहीं वह अनाज हमारे गरीबों में वितरित कर दिया जाए। हमारे सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा था कि वह अनाज गरीबों में वितरित कर दो। सरकार अभी तक यह भी तय नहीं कर पाई है कि बीपीएल या एपीएल 40 फीसदी हैं, 50 फीसदी हैं या 32 फीसदी हैं। चार-पांच कमेटी बनीं। हेगड़े कमेटी, सक्सेना कमेटी, लक्कड़वाला कमेटी। सभी की रिपोर्ट आ चुकी है। अब सरकार उनकी समीक्षा करवा रही है। मैं आपसे मांग करता हूँ कि इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सरकार का ध्यान आप अकृष्ट करने की कृपा करें।

मान्यवर, यह ज़ीरो ऑवर बड़ा महत्वपूर्ण होता है। लेकिन हमें बहुत अफसोस है कि एक भी मंत्री इस समय सदन में नहीं है।

MR. CHAIRMAN : Shri Arjun Ram Meghwal, Dr. Kiritpremjibhai Solanki, Dr. Rajan Sushant and Shri Bishnu Pada Ray associate with the issue raised by Shri Rewati Raman Singh.